

मैया ममतामई ये है करुणामई

सारे जग से निराली है मैया
पार करती है भक्तों की नैय्या

मैया ममतामई ये है करुणामई
यशगान करे है पुरवैया
पार करती है भक्तों की नैय्या

नौ रूप धरे सबके संकट हरे
नवरात्रों में सजती नगरीय
पार करती है भक्तों की नैय्या

शारदे माँ तू ही कालका माँ तू ही
हर रूप में बनकर खिवैय्या
पार करती है भक्तों की नैय्या

जो भी ध्यावे उसे जो मनावे इसे
थाम लेती है उसकी ये बड़ियाँ
पार करती है भक्तों की नैय्या

राजा गाये यही गुनगुनाये यही
आपने आँचल की देकर के छड़ियां
पार करती है भक्तों की नैय्या
सारे जग से

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/12782/title/maiya-mamtamai-ye-hai-karunamai>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |